becomes our duty. Being the largest population base in the world with exportable human resources including skilled medical and paramedics, there is a huge demand for such professionals all over the world. Skilled manpower earns and brings massive foreign exchange and simultaneously gets employment opportunities. To meet the global and national demand, the Ministry of Health and Family Welfare has opened 21 AIIMS and 706 medical colleges with paramedical colleges, which is commendable. To meet such a huge demand, the Government should liberalise the licensing policies to permit the medical graduates to operate emergencies including C section after a one year course in Surgery, Gynae and Anaesthesia, as was the practice before 1980. The medical profession should be taken out of Consumer Protection Act and rural service should have more incentives. I urge the Government to look into the matter.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): Hon. Member, Dr. John Brittas (Kerala) associated himself with the Special Mention made by Lt. Gen (Dr.) D.P. Vats (Retd.).

Need for promotion of self help groups to develop places like Jabalpur, Mandla, Chhindwara, Pachmarhi etc. as tourist centres

श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक (मध्य प्रदेश): महोदय, आज मैं आपके सामने जो विषय लेकर खड़ी हूं, वह मध्य प्रदेश से जुड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में मध्य प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। वैसे तो यह बढ़ोतरी कोविड संक्रमण के बाद पूरे भारत के पर्यटन सेक्टर में हुई है, जिससे भारत की अर्थव्यवस्था को भी फायदा पहुंचा है। मध्य प्रदेश को भारत का दिल माना जाता है और भेड़ाघाट, चौसठ योगिनी, बांधवगढ़, कान्हा, खजुराहो आदि जैसे कई विश्वप्रसिद्ध दर्शनीय स्थल हैं। इसके साथ ही बहुत से ऐसे प्राकृतिक और ऐतिहासिक महत्व के स्थल हैं, जिन्हें पर्यटन की दृष्टि से और भी विकसित किया जा सकता है।

महोदय, मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने स्वयं सहायता समूहों को बहुत बढ़ावा दिया है और करोड़ों महिलाओं और ग्रामीण युवाओं को रोज़गार से जोड़ा है। आपके माध्यम से मेरा भारत सरकार से निवेदन है कि मध्य प्रदेश में पर्यटन को और सुदृढ़ बनाने हेतु ऐसे ही स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं बनाई जाएं। जबलपुर, मंडला, छिंदवाड़ा, पंचमढ़ी आदि स्थानों को पर्यटन के केन्द्रों की तरह विकसित किये जाने से एक बहुत बड़ी आबादी को लाभ मिलेगा और अर्थव्यवस्था के बढ़ते आयामों को लाभ मध्य प्रदेश की जनता को मिलेगा। सर, अतिथि देवो भव: के मूल मंत्र को मध्य प्रदेश ने अपनाया है और भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के प्रयासों से प्रदेश का पर्यटन विभाग नए आयाम छू सकता है।